SYLLABUS FOR

THE FOUR-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME (FYUGP)

As per provision of NEP-2020
Implemented from Academic Year 2022 onwards

DEPARTMENT

OF

SANSKRIT

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

SYLLABUS OF 4 YEARS UG PROGRAM (FYUGP) IN SANSKRIT, AS PER NEP 2020 (SEMESTER-V AND VI)

(GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P G COLLEGE, RAJNANDGAON)

B.A. (Multiple Major) - DEGREE COURSE

(Session 2024-25)

Major 1- SANSKRIT

	SEMESTER	COURSE TYPE	COURSE CODE	PAPER TITLE	CREDIT	Max marks	ESE	IA
THIRD YEAR	V	DSC		वैदिक साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE		वेद	4	100	80	20
		GE		सामान्य संस्कृत -I	4	100	80	20
		SEC		योग के मूलभूत तत्व	2	50	40	10
	VI	DSC		लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास	4	100	80	20
		DSE		भाषाविज्ञान	4	100	80	20
		GE		सामान्य संस्कृत -II	4	100	80	20
		SEC		प्रोजेक्ट	2	50	40	10

ESE- End Semester Exam, IA-Internal Assessment

Instruction for Question paper setting

End Semester Exam (ESE) for DSC and DSE

There will be 03 sections of question of 80marks

Section A- section A will be very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.

Section B- section B will be short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.

Section C- section B will be long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice.

End Semester Exam (ESE) for SEC

There will be 8 questions of 8 marks each, out of which any 5 question to be answer.Total marks will be 40.

Minimum Pass Marks 40%

Section	Maximum Marks (80)		Maximum Marks (40)	
A	2 x 8 = 16	Very short answer type questions consisting 8 questions of 2 marks, two question from each unit.	8 x 5 = 40	8 questions of 8 mark each, out of which any 5 question to be answer.
B	6 x 4 = 24	Short answer type questions consisting 4 questions of 6 marks each, one question from each unit with internal choice.		
C	10 x 4 = 40	long answer (Discreptive) type questions consisting 4 questions of 10 marks each, one question from each unit with internal choice		

Department: -SANSKRIT

Session: 2024-25	Program: B.A.
Semester: VI	Subject: SANSKRIT

Programe Specific Outcome:

1. लौकिक संस्कृत साहित्य के विशाल वाङ्मय से परिचय प्राप्त होगा।
2. महाकाव्यों, खंडकाव्यों, नाटको का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
3. विद्यार्थी संस्कृत वांङ्मय की सतत प्रवाहमान यात्रा से परिचित होगा।
4. लौकिक संस्कृत साहित्य के विशाल वाङ्मय -महाकाव्यों, खंडकाव्यों, नाटको का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।साथ ही आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकारों का परिचय प्राप्त होगा।
5. भाषा के उत्पत्ति एवं विकास की जानकारी प्राप्त होगी।
6. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेगा। भाषा के पठन,लेखन तथा संभाषण में रुचि उत्पन्न होगी। वर्णमाला, शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा।शुद्ध उच्चारण क्षमता विकसित होगी।
7. योग विधा के आधारभूत तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा।योग की ओर विद्यार्थियों की रुचि जागृत होगी।

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **VI**	Subject: **Sanskrit**
Course Type: **DSC**	Course Code: .....
Course Title:	लौकिक साहित्य का इतिहास
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**लौकिक साहित्य का इतिहास**
Course Learning Outcome:	➢ विद्यार्थी विशाल संस्कृत वाङ्मय से परिचित होंगे। ➢ भारतीय संस्कृति के स्तम्भ स्वरूप रामायण, महाभारत, पुराण के महत्व से अवगत होंगे ➢ आधुनिक संस्कृत साहित्य की प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा

Units	**Lectures**	**Lectures (15 x 4 = 60)**	**Credits**
I	15	• **रामायण-** सामान्य परिचय, विषयवस्तु, उपजीव्यता, रामायण का महत्व • **महाभारत-** सामान्य परिचय, विषयवस्तु, महाभारत का विकास, उपजीव्यता, महाभारत का महत्व • **पुराण-** पुराण की परिभाषा, अष्टादश पुराणों का सामान्य परिचय, पुराणों का महत्व	1
II	15	• **महाकाव्य-** रघुवंशम्, कुमारसंभवम्, शिशुपालवधम्, किरातार्जुनीयम्, नैषधीयचरितम् • **खंडकाव्य-** मेघदूतम्, गीतगोविंदम् ग्रंथ एवं ग्रंथकारों का सामान्य परिचय	1
III	15	• **गद्यकाव्य -** कादंबरी, वासवदत्ता, हर्षचरितम्, दशकुमारचरितम्, • **कथासाहित्य-** कथासरित्सागर, पञ्चतंत्रम्, वैतालपञ्चविंशति ग्रंथ एवं ग्रंथकारों का सामान्य परिचय	1
IV	15	• **नाटक-** अभिज्ञानशाकुंतलम्, उत्तररामचरितम्, मृच्छकटिकम्, मुद्राराक्षसम् • **आधुनिक संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार-** आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, आचार्य अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ. श्रीमती पुष्पा दीक्षित ग्रंथ एवं ग्रंथकारों का सामान्य परिचय	1

अनुशंसित ग्रंथ:-

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्वा प्रकाशन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. कपिल देव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
3. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास - उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास - प्रीति प्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रंथगार, जोधपुर
6. आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास- प्रो. कलानाथ शास्त्री
7. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामजी उपाध्याय, रामनारायण लाल बेनीमाधव, इलाहाबाद
8. पुराण विमर्श - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
9. इतिहास पुराण का अनुशीलन- रमाशंकर भट्टाचार्य
10. संस्कृत महाकाव्य की परंपरा- डॉ. केशवराव मुसलगॉवकर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम समिति		
नाम	हस्ताक्षर	मोबाईल नंबर
डॉ. दिव्या देशपांडे		7987260437
डॉ. ललित प्रधान		6260130038
डॉ. सुमन सिंह बघेल		9926903552
डॉ. सुषमा तिवारी		9179023595
डॉ. हेमंत शर्मा		9926586563
डॉ. [illegible]		8349412947

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024 -25**	Program: **B.A.**
Semester: **VI**	Subject: **Sanskrit**
Course Type: **DSE**	Course Code: .....
Course Title:	**भाषाविज्ञान**
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**भाषाविज्ञान**
Course Learning Outcome:	➢ विद्यार्थी भाषा के विकास क्रम से परिचित होंगे ➢ भाषाओं के तुलनात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी ➢ भाषाई शोध की प्रवृत्ति का विकास

Units	**Lectures**	**Lectures (15 x 4 = 60)**	**Credits**
I	15	भाषा की परिभाषा, भाषा की विशेषताएं, भाषा का वर्गीकरण (आकृतिमूलक एवं पारिवारिक)	1
II	15	ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण, मानवीय ध्वनियंत्र, अर्थ परिवर्तन की दिशाएं	1
III	15	ध्वनि नियम - ग्रीम, ग्रासमान, वर्नर	1
IV	15	भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अंतर	1

अनुशंसित ग्रंथः-

1. भाषाविज्ञान- करण सिंह, साहित्य भंडार,सुभाष बाजार, मेरठ
2. भाषाविज्ञान- भोलानाथ तिवारी,किताब महल,इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र- डॉ. कपिल देव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषाविज्ञान की भूमिका- राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम समिति		
नाम	हस्ताक्षर	मोबाईल नंबर
डॉ. दिव्या देशपांडे		7987260437
डॉ. ललित प्रधान		6260130038
डॉ. सुमन सिंह बघेल		9926903552
डॉ. सुषमा तिवारी		9179023595
डॉ. हेमंत शर्मा		9926586563

डॉ. फागेश्वर साहू

8349412947

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **VI**	Subject: **SANSKRIT**
Course Type: **GE**	Course Code: .....
Course Title:	**सामान्य संस्कृत-2**
Credit: **4**	Lecture: **60**
M.M. 100 = **(ESE 80+IA 20)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**सामान्य संस्कृत-2**
Course Learning Outcome:	➢ कारक एवं समास के आधिकारिक ज्ञान से संस्कृत पठन, लेखन एवं संभाषण में दक्षता प्राप्त होगी । ➢ संस्कृतसंभाषण का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा,जिससे विद्यार्थियों की संस्कृत भाषा के अध्ययन में रुचि विकसित होगी और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी। ➢ संस्कृत भाषा के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा। ➢ उच्चारण कौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। ➢ प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी।

Units	Lectures	Lectures (15 x 4 = 60)	Credits
I	15	विभक्ति एवं कारक(परिभाषा एवं उदाहरण) (सभी का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है। सूत्र ज्ञान अपेक्षित नहीं है।)	01
II	15	समास-अव्ययी भाव,तत्पुरुष ,बहुव्रीहि एवं द्वंद (अर्थ एवं उदाहरण) (इन समासों का सामान्य ज्ञान अपेक्षित है।सूत्र ज्ञान एवं सिद्धियाँ अपेक्षित नहीं है।)	01
III	15	संस्कृत संभाषण कौशल- स्वपरिचय:,भोजनसम्बन्धिशब्दा:,बन्धुवाचकशब्दा:,वर्णा: (रक्तवर्ण:,पीतवर्ण: इत्यादय:),वाहनानां नामानि,वेषभूषणानां नामानि,पशूनां नामानि,शरीर-अवयवानां नामानि	01
IV	15	संस्कृत से हिन्दी में वाक्यानुवाद, हिन्दी से संस्कृत में वाक्यानुवाद	01

अनुशंसितग्रन्थ –

1. सुगम संस्कृत व्याकरण- डॉ.राकेश शास्त्री,पंचशील प्रकाशन,जयपुर
2. शीघ्रबोधव्याकरणम् – डॉ. पुष्पा दीक्षित, पाणिनीय शोध संस्थान, तेलीपारा, बिलासपुर
3. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डॉ. नरेन्द्र, प्रकाशक –श्रीअरविन्दआश्रम
4. संस्कृत व्याकरण मंजूषा-प्रो. महुम्मद अयूब,प्रकाशक-कपूर ब्रदर्स,श्रीनगर
5. संस्कृत -व्यवहार -साहस्त्री, संस्कृत भारती ,बंगलुरु
6. हिन्दी-संस्कृत-शब्दकोष: - डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय:, संस्कृत भारती ,बंगलुरु

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	
6.	डॉ. फाल्गुनी	

GOVT. DIGVIJAY AUTONOMOUS P.G. COLLEGE, RAJNANDGAON (C.G.)

FYUGP (CBCS/LOCF Course)

Department: -SANSKRIT

Session: **2024-25**	Program: **B.A.**
Semester: **VI**	Subject: **SANSKRIT**
Course Type: **SEC**	Course Code: .....
Course Title	**योग दर्शन के आधारभूत तत्व(परियोजना कार्य)**
Credit: **2**	Lecture: **30**
M.M. 50 = **(ESE 40+IA10)**	Minimum Passing Marks: **40%**

Title	**योग दर्शन के आधारभूत तत्व (परियोजना कार्य)**
Course Learning Outcome:	➢ योग विधा के आधारभूत तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा। ➢ योग की ओर विद्यार्थियों की रुचि जागृत होगी। ➢ योग कौशल का विकास विद्यार्थियों के स्वास्थ्य लाभ की दृष्टि से सहायक होगा। ➢ योग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे। ➢ प्राचीन योग दर्शन को आधुनिक समय में प्रतिस्थापित करने में सहायता प्राप्त होगी।

Units	Lectures	Lectures (15 x 2 = 30)	Credits
I	06	योग दर्शन-योग का अर्थ एवं परिभाषा,उद्येश्य एवं महत्त्व **(परियोजना कार्य)**	0.5
II	06	योग दर्शन का उद्भव एवं विकास (सामान्य परिचय अपेक्षित है) **(परियोजना कार्य)**	0.5
III	10	**अष्टांग योग का सामान्य परिचय (परियोजना कार्य)**	0.5
IV	08	प्रमुख भारतीय योगाचार्यो का परिचय - आदि शंकराचार्य, महर्षि पतंजलि, स्वामी विवेकानन्द योगी गोरक्षनाथ,महर्षि दयानंद सरस्वती,श्री अरविंद, ,महर्षि महेश योगी (सभी का सामान्य परिचय अपेक्षित है) **(परियोजना कार्य)**	0.5

अनुशंसितग्रन्थ –

1. पातंजल योगसूत्र- गीताप्रेस,गोरखपुर
2. भारतीय दर्शन-चंद्रधर शर्मा,मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन
3. भारतीय दर्शन-आचार्य बलदेव उपाध्याय,शारदा मंदिर प्रकाशन,वाराणसी
4. वेदों में योग विद्या-डॉ. योगेन्द्र पुरुषार्थी,यौगिक शोध संस्थान,हरिद्वार
5. योग विज्ञान-स्वामी विज्ञानानन्द,योग निकेतन ट्रस्ट,ऋषिकेश

पाठ्यक्रम समिति

क्र.	नाम	हस्ताक्षर
1-	डॉ. दिव्या देशपाण्डे	
2-	डॉ. ललित प्रधान आर्य	
3-	डॉ. सुमन सिंह बघेल	
4-	डॉ. सुषमा तिवारी	
5-	डॉ हेमंत शर्मा	
6.	डॉ. [illegible]	